

Class - B.A. Part - I

Sub - Hindi (Hon) Paper - I

by Rishabh Kumar

Q मक्तिकाव्य एवं लौकिक काव्य में विभिन्नताओं की विवेचना करें ?

उत्तर - मक्तिकाव्य की रचना किसी परमतत्त्व देवी-देवता अथवा देवीगुण संपन्न महामानव को लक्ष्य कर आरंभ हुई थी। इस प्रकार का विपुल साहित्य प्रायः सभी जीवन्त भाषाओं में उपलब्ध है। इसे ले कर कदाचित् कभी भी शास्त्रीयता का प्रश्न नहीं उठाया गया परंतु इधर कुछ शास्त्रानुरागी सभी भक्त पूर्वमध्यकालीन मक्तिकाव्य में शास्त्रीयता की छाप न देख कर उसे भक्ति काव्य से निम्न लौकिक काव्य की श्रेणी में रखकर उसी शुद्ध साहित्य के गौरव से वंचित करना चाहते हैं। परंतु वे कदाचित् यह भूल जाते हैं कि शास्त्रीयता का मुलाधार भी लोक ही है। फिर, भक्ति अथवा साहित्य का लक्ष्य शास्त्रविशेष का अनुकरण या अनुसरण मात्र नहीं है। इसके विपरीत भक्ति का भावना और साहित्य रचना के आधार पर ही बहुविध भक्त शास्त्रों का सर्जन हुआ है। जिनका उद्देश्य नियमन अथवा निर्भेदनता द्वारा परंपरा विशेष को सुरक्षित रखना ही नहीं स्वरीकरण द्वारा उसके विकासमार्ग को अवलंब करना नहीं। यद्यपि ऐसा होना तो नये-नये शास्त्रों का निर्माण



कदापि सँभव न होता।  
 लौकिक काव्य की अपनी  
 विशेषताएँ हैं, जिसके पालन रूप  
 इसकी अपनी निम्न कोटि है।  
 लौकिक काव्य में धार्मिक  
 उमंग, ऊँचास और विषाद की सख्त  
 अभिव्यक्ति रहती है। इसमें किसी  
 वैचारिक वैशिष्ट्य अथवा शास्त्रीय  
 नियमों के अनुसरण की प्रतिबद्धता  
 के स्थान पर अधिकतर परंपरा  
 निर्वह की पुवृत्ति पायी जाती  
 है - यद्यपि काल के अनुसार  
 नये-नये संपर्क तथा संदर्भ दिये  
 नयी-नयी परंपराएँ भी उद्भूत  
 होती रहती हैं। इसके विपरीत  
 भक्ति काव्य में किसी-न-किसी  
 वैचारिक वैशिष्ट्य तथा तारतम्य का  
 स्पष्ट प्रभाव लक्षित होता है तथा  
 इसकी व्यंजना शैली में किसी शास्त्रीय  
 अथवा लौकिक परंपरा विशेष के  
 पालन का ऐसा आग्रह नहीं पाया  
 जाता, जैसा कि इसके प्रति अनुभूति  
 अतिरिक्त उत्साह देखा जाता है।  
 इसमें पाये जाने वाले प्रभाव शान-  
 धर्मिक हैं। इस लिए पूर्वमध्यकालीन  
 भक्ति काव्य के लौकिक काव्य की  
 कोटि में रखे जाने का कोई  
 न्यायसंगत कारण अथवा औचित्य  
 नहीं है। इसकी शैलीगत शक्ति-  
 व्यक्तियों के लोकपरक होने का  
 कारण स्वयंदाओं का अपना जीवन  
 परिवेश है जिससे उन्होंने वैयक्तिक  
 संस्कार ग्रहण किया है।